भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 708

जिसका उत्तर 07 दिसंबर, 2023 को दिया जाना है।

.....

नदियों को परस्पर जोड़ना

708. श्री दिलेश्वर कामैत:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) के अंतर्गत नदियों को परस्पर जोड़ने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और प्रस्तावों की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(ग) मानस-संकोश-तीस्ता-गंगा (एम.एस.टी.जी.) संपर्क परियोजना में कितनी प्रगति हुई है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री (श्री बिश्वेश्वर टुडु)

(क) से (ग): भारत सरकार ने जल की अधिकता वाले बेसिनों से जल की कमी वाले बेसिनों/क्षेत्रों में जल अंतरण के लिए वर्ष 1980 में एक राष्ट्रीय परिपे्रक्ष्य योजना (एनपीपी) तैयार की थी। राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (एनडब्ल्यूडीए) ने एनपीपी के अंतर्गत 30 लिंकों (प्रायद्वीपीय घटक के अंतर्गत 16 और हिमालयी घटक के अंतर्गत 14) की पहचान की है। नदियों के इंटर-लिंकिंग की 30 परियोजनाओं में से 11 लिंकों की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर), 24 लिंकों की व्यवहार्यता रिपोर्टें (एफआर) और सभी 30 लिंकों की पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट (पीएफआर) पूरी कर ली गई हैं। एनपीपी के अंतर्गत प्राथमिक लिंक परियोजनाओं के रूप में तीन लिंकों नामत: केन-बेतवा लिंक परियोजना (केबीएलपी), संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) लिंक परियोजना को पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) और गोदावरी-कावेरी लिंक परियोजना के साथ विधिवत एकीकृत किया गया है। केबीएलपी, एनपीपी के तहत पहली आईएलआर परियोजना है, जिसके लिए कार्यान्वयन शुरू कर दिया है। मानस-संकोश-तिस्ता-गंगा (एमएस-टी-जी) लिंक परियोजना सहित एनपीपी के अंतर्गत आईएलआर परियोजनाओं के ब्यौरे और मौजूदा स्थिति **अनुलग्नक** में दी गई है।

*****

अनुलग्नक

"नदियों को परस्पर जोड़ना" के संबंध में दिनांक 07.12.2023 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 708 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

एनपीपी के तहत आईएलआर परियोजनाओं का विवरण और मौजूदा स्थिति

क्र. सं.	नाम	लाभान्वित राज्य	स्थिति
1	क. महानदी (मणिभद्र) - गोदावरी (दौलेस्वरम) लिंक	आंध्र प्रदेश (एपी) और ओडिशा	एफआर पूर्ण
	ख. वैकल्पिक महानदी (बरमूल) - रुशिकुल्या - गोदावरी (दौलेस्वरम) लिंक	एपी और ओडिशा	एफआर पूर्ण
2	गोदावरी (पोलावरम) - कृष्णा (विजयवाड़ा) लिंक	एपी	एफआर पूर्ण
3	क. गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक	तेलंगाना	एफआर पूर्ण
	ख. वैकल्पिक गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक *	तेलंगाना	डीपीआर पूर्ण
4	गोदावरी (इंचमपल्ली/एसएसएमपीपी) - कृष्णा (पुलिचिंतला) लिंक	तेलंगाना & आंध्र प्रदेश	डीपीआर पूर्ण
5	क. कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) लिंक	एपी	एफआर पूर्ण
	ख. वैकल्पिक कृष्ण (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) लिंक *	एपी	डीपीआर पूर्ण
6	कृष्णा (श्रीशैलम) - पेन्नार लिंक	एपी	डीपीआर का मसौदा पूर्ण
7	कृष्णा (अलमट्टी) - पेन्नार लिंक	एपी और कर्नाटक	डीपीआर का मसौदा पूर्ण
8	क. पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक	आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुडुचेरी	एफआर पूर्ण
	ख. वैकल्पिक पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक *	आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुडुचेरी	डीपीआर पूर्ण
9	कावेरी (कट्टालाई) - वैगई-गुंडर लिंक	तमिलनाडु	डीपीआर पूर्ण
10	क. पार्बती-कालीसिंध - चंबल लिंक	मध्य प्रदेश (एमपी) और राजस्थान	एफआर पूर्ण
	ख. संशोधित पार्बती- कालीसिंध - चंबल लिंक (ईआरसीपी के साथ एकिकृत)	एपी और राजस्थान	पीएफआर का मसौदा पूर्ण
11	दमनगंगा - पिंजाल लिंक (डीपीआर के अनुसार)	महाराष्ट्र (मुंबई के लिए केवल पानी की आपूर्ति)	डीपीआर पूर्ण
12	पार-तापी-नर्मदा लिंक (डीपीआर के अनुसार)	गुजरात और महाराष्ट्र	डीपीआर पूर्ण
13	केन-बेतवा लिंक	उत्तर प्रदेश और एम पी	कार्यान्वयन शुरू कर दिया गया है।
14	पम्बा-अचनकोविल-वैप्पर लिंक	तमिल नाडू और केरल	एफआर पूर्ण
15	बेदती-वर्दा लिंक	कर्नाटक	डीपीआर पूर्ण
16	नेत्रावती-हेमावती लिंक**	कर्नाटक	पीएफआर पूर्ण

* मणिभद्र और इंचमपल्ली बांधों पर आम सहमति लंबित होने के कारण गोदावरी नदी के अप्रयुक्त जल को मोड़ने के लिए वैकल्पिक अध्ययन किया गया और गोदावरी (इंचमपल्ली/जनमपेट)-कृष्णा (नागार्जुनसागर)-पेन्नार (सोमासिला)-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूरी कर ली गई हैं। गोदावरी-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजना तैयार की गई है, जिसमें गोदावरी (इंचमपल्ली/जनमपेट) - कृष्णा (नागार्जुनसागर), कृष्णा (नागार्जुनसागर)-पेन्नार (सोमासिला) और पेन्नार (सोमासिला)-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजनाएं शामिल हैं।

** आगे अध्ययन शुरू नहीं किया गया हैं क्योंकि कर्णाटक सरकार द्वारा येतिनाहोल परियोजना के कार्यान्वयन के पश्चात्, इस लिंक के माध्यम से मार्ग विपथन के लिए नेत्रावती बेसिन में अधिशेष जल उपलब्ध नहीं है।

हिमालयी घटक

क्र.सं.	लिंक का नाम	देश/लाभान्वित राज्य	स्थिति
1.	कोसी-मेची लिंक	बिहार और नेपाल	पीएफआर पूर्ण
2.	कोसी-घाघरा लिंक	बिहार, यूपी और नेपाल	एफआर पूर्ण
3.	गंडक - गंगा लिंक	यूपी और नेपाल	एफआर पूर्ण (भारतीय भाग)
4.	घाघरा-यमुना लिंक	यूपी और नेपाल	एफआर पूर्ण (भारतीय भाग)
5.	सारदा-यमुना लिंक	यूपी और उत्तराखंड	एफआर पूर्ण
6.	यमुना-राजस्थान लिंक	हरियाणा और राजस्थान	एफआर पूर्ण
7.	राजस्थान-साबरमती लिंक	राजस्थान और गुजरात	एफआर पूर्ण
8.	चुनार-सोन बैराज लिंक	बिहार और उत्तर प्रदेश	पीएफआर पूर्ण
9.	सोन बांध - गंगा लिंक की दक्षिणी सहायक नदियाँ	बिहार और झारखंड	पीएफआर पूर्ण
10.	मानस-संकोश-तीस्ता-गंगा (एम-एस-टी-जी) लिंक	असम, पश्चिम बंगाल (पश्चिम बंगाल) और बिहार	एफआर पूर्ण
11.	जोगीघोपा-तिस्ता-फरक्का लिंक (एम-एस-टी-जी का विकल्प)	असम, पश्चिम बंगाल और बिहार	पीएफआर पूर्ण (प्रस्ताव वापिस ले लिया गया है)
12.	फरक्का-सुंदरबन लिंक	पश्चिम बंगाल	एफआर पूर्ण
13.	गंगा (फरक्का) - दामोदर-सुवर्णरेखा लिंक	पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड	एफआर पूर्ण
14.	सुवर्णरेखा-महानदी लिंक	पश्चिम बंगाल और ओडिशा	एफआर पूर्ण

*****